भा.वा.अ.शि.प. में राजभाषा हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला

श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प. राजभाषा हिन्दी कार्यशाला को संबोधित करते हुए

दिनांक 15 अक्टूबर 2015 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून में राजभाषा हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। श्री शैवाल दासगुप्ता ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा कि किसी भी कार्य को करने के लिए हृदय में इच्छा का होना परम आवश्यक है और यह बात राजभाषा हिन्दी में कार्य करने के लिए भी उतनी ही सही है। उन्होने कहा कि स्वैच्छा से राजभाषा का अधिक से अधिक प्रयोग करने के लिए संकल्प–पूर्वक निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है और केवल तभी राजभाषा हिन्दी को सरकारी काम–काज में उसका उचित स्थान प्राप्त हो सकेगा।

श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प. राजभाषा हिन्दी कार्यशाला के दौरान दीप प्रज्ज्वलित करते हुए

इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री राजा राम सिंह, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), भा.वा.अ.शि.प., देहरादून थे। श्री राजा राम सिंह ने राजभाषा नियमों एवं राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित 2015–16 के वार्षिक लक्ष्यों के विषय में एवं उनकी प्राप्ति के लिए सुगम उपायों पर भी विस्तार से चर्चा की।

कार्यशाला में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु किए जाने वाले सरल एवं सुगम प्रयासों का ब्यौरा दिया। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में विभिन्न विषयों पर टिप्पणी लेखन एवं पत्र लेखन पर विस्तार से चर्चा उपरांत सहभागियों द्वारा अभ्यास किया गया और तदुपरांत सहभागियों द्वारा लिखी गई टिप्पणियों एवं पत्र को व्यक्तिगत रूप से मूल्यांकन कर उसे और बेहतर बनाने के सुझाव दिए गए जिससे कि भविष्य में कार्यालयीन कार्यों में गुणात्मक वृद्धि हो।

कार्यशाला में भा.वा.अ.शि.प. के 30 से अधिक सहभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला का समापन श्री राजा राम सिंह, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार) द्वारा सभी को धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।